सकारात्मक सोच, बेहतर समाज, खुशहाल भारत

14TH ANNIVERSARY
स्थापना दिवस विशेषांक

RAJHIN/2013/53754

शाबाश इंडिया

★ 13 वर्ष सफलता के, आपके विश्वास के ★

वर्ष: 13 | अंक: 21 | जयपुर, सोमवार 25 मई 2026 | हिन्दी साप्ताहिक

व्हाट्सऐप करें 94140-78380, 92140-78380 | www.shabaasindia.com | हमसे जुड़े

13 वर्षों का अटूट विश्वास

अब समाचार पत्र के साथ दिखेगा वीडियो का अंदाज...

शाबाश इंडिया
'अहिंसा' से ही मिलेगी सफलता

सत्य, साहस और निष्पक्षता के 13 गौरवशाली वर्ष

प्रिय पाठकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों,
आज का दिन 'शाबाश इंडिया' परिवार के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। हम अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ अपने सफर के 14वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। 26 अप्रैल 2013 को एक पाक्षिक समाचार पत्र के रूप में शुरू हुआ यह सफर, आप सभी के असीम स्नेह और विश्वास की बदौलत लगातार आगे बढ़ता रहा। इसी क्रम में 11 नवंबर 2013 को साप्ताहिक और डिजिटल क्रांति के साथ कदम मिलाते हुए 26 अप्रैल 2021 को हमने 'दैनिक ई-पेपर' के रूप में आपकी सुबह को और भी अपडेटेड बनाया। पाठकों का यही भरोसा हमारी सबसे बड़ी ताकत रहा है। समय के साथ बदलते हुए और आपकी आवाज को और अधिक बुलंद करने के लिए, 'शाबाश इंडिया' अब एक नए और आधुनिक रूप में आपके सामने है। 24 मई 2026 से हमारे 'शाबाश इंडिया न्यूज चैनल' का भव्य शुभारंभ हो गया है। अब हम सिर्फ पन्नों पर ही नहीं, बल्कि वीडियो और स्क्रीन के माध्यम से भी आपको देश-दुनिया की हर प्रामाणिक खबर से रूबरू कराएंगे। हमारी धारदार पत्रकारिता, बेबाक डिबेट और निष्पक्ष विश्लेषण अब आपके मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर उपलब्ध रहेगा।

''खबर वही जो सच दिखाए, 'शाबाश इंडिया' हर पल आपका साथ निभाए।''

हमारा संकल्प

निष्पक्षता: बिना किसी दबाव के जनता की बात सरकार तक पहुंचाना।
सत्यता: हर खबर की गहराई से पड़ताल और सटीक विश्लेषण।
आधुनिकता: प्रिंट, डिजिटल ई-पेपर और अब वीडियो न्यूज का बेजोड़ तालमेल।

इस 14वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, संवाददाताओं और हॉकरों का सहृदय आभार व्यक्त करते हैं, जिनके बिना यह सफर मुमकिन नहीं था। आइए, इस नए डिजिटल सफर में भी हमारे साथ जुड़ें और एक सकारात्मक संदेश को आगे बढ़ाएं।

<u>शुभकामनाओं सहित:</u>

राकेश-समता गोदिका: संपादक
समस्त 'शाबाश इंडिया' परिवार

शाबाश इण्डिया समाचार पत्र को स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा
जयपुर

|| श्री आदिनाथाय: नमः ||

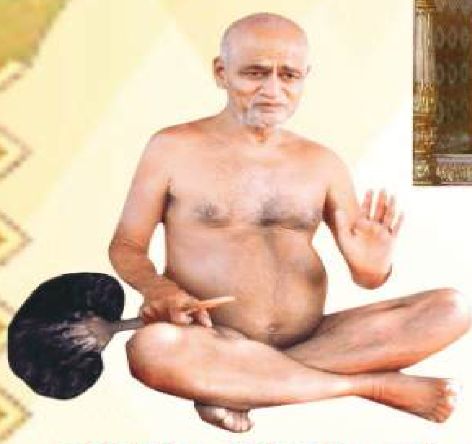

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

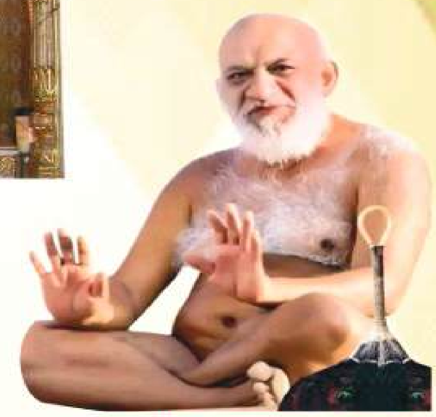

मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर, जयपुर

(राज. सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम रजि.सं. 326/1971)
जैन मन्दिर रोड़, सांगानेर, जयपुर फोन : 0141-2730390

**भगवान ऋषभदेव ग्रंथमाला, ऋषभदेव होम्योपैथिक औषधालय, ऋषभदेव चैरिटेबल ट्रस्ट
श्री दिगम्बर जैन वीरोदय मन्दिर, श्री सुधासागर भोजनशाला**

अति आधुनिक सुविधाओं सहित धर्मशाला

बाहर से पधारने वाले यात्रियों के लिए आवास व्यवस्था में सुपर डीलक्स, डीलक्स, ए.सी. कूलर व साधारण सुविधायुक्त कमरे उपलब्ध हैं।

मन्दिर के सर्वांगीण विकास में अपना अमूल्य योगदान देकर
अक्षय पुण्य के भागी बनें इन्हीं भावनाओं सहित.....

निवेदक

प्रबन्धकारिणी कमेटी, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर, जयपुर

महावीर प्रसाद जैन अध्यक्ष	राकेश कुमार मानद मंत्री	ज्ञानचंद जैन सुरेश कुमार जैन उपाध्यक्ष	संजय छाबड़ा संयुक्त मंत्री	पंकज जैन कोषाध्यक्ष	नरेन्द्र कुमार बज प्रभारी

एवं समस्त सदस्यगण

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर, जयपुर

संपादकीय

सत्य, साहस और निष्पक्षता के 14 गौरवशाली वर्ष

प्रिय पाठकों, सहयोगियों, विज्ञापनदाताओं, संवाददाताओं और शुभचिंतकों,

आज का दिन 'शाबाश इंडिया' परिवार के लिए केवल एक वर्षगांठ नहीं, बल्कि जनविश्वास, संघर्ष, समर्पण और सत्यनिष्ठ पत्रकारिता की एक प्रेरणादायक यात्रा का ऐतिहासिक पड़ाव है। अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ हम अपने सफर के 14वें गौरवशाली वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल हमारी नहीं, बल्कि उन लाखों पाठकों और शुभचिंतकों की है, जिन्होंने हर परिस्थिति में हमारे प्रति अपना विश्वास बनाए रखा। 26 अप्रैल 2013 को एक पाक्षिक समाचार पत्र के रूप में शुरू हुआ 'शाबाश इंडिया' का यह सफर निरंतर आगे बढ़ता गया। सीमित संसाधनों, अनेक चुनौतियों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद हमने कभी अपने मूल उद्देश्य से समझौता नहीं किया। हमारा ध्येय हमेशा यही रहा कि समाज और सत्ता के बीच एक सशक्त, निष्पक्ष और जिम्मेदार सेतु बनकर जनता की आवाज को बुलंद किया जाए। समय के साथ समाचार जगत में तकनीकी बदलाव आए और पाठकों की अपेक्षाएं भी बदलीं। हमने भी समय की गति को समझते हुए 11 नवंबर 2013 को साप्ताहिक स्वरूप अपनाया और फिर 26 अप्रैल 2021 को दैनिक ई-पेपर के रूप में नई शुरूआत की। यह परिवर्तन केवल स्वरूप का नहीं, बल्कि सोच और संकल्प का विस्तार था। हमारा प्रयास रहा कि हर पाठक तक तेज, सटीक और विश्वसनीय समाचार समय पर पहुंच सके। आज हमें यह घोषणा करते हुए विशेष प्रसन्नता हो रही है कि 24 मई 2026 से ''शाबाश इंडिया न्यूज चैनल'' का शुभारंभ हो चुका है। अब हमारी पत्रकारिता केवल समाचार पत्रों के पन्नों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वीडियो समाचार, विशेष रिपोर्ट, निष्पक्ष विश्लेषण और जनहित से जुड़े मुद्दों के माध्यम से आपके मोबाइल और स्क्रीन तक पहुंचेगी। यह हमारे लिए एक नई शुरूआत है, लेकिन हमारी आत्मा वही है – सत्य, साहस और निष्पक्षता। ''शाबाश इंडिया'' ने हमेशा उन मुद्दों को प्राथमिकता दी, जो समाज और आमजन से जुड़े रहे। हमने जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया, सामाजिक सरोकारों को मंच दिया, सकारात्मक खबरों को महत्व दिया और हर वर्ग की आवाज को निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया। हमारा विश्वास है कि पत्रकारिता केवल खबर देना नहीं, बल्कि समाज को जागरूक, सजग और सकारात्मक दिशा देना भी है। आज जब समाचारों की दुनिया में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है, तब निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस होती है। ऐसे समय में ''शाबाश इंडिया'' अपने मूल्यों के साथ दृढ़ता से खड़ा है। हमारा संकल्प है कि बिना किसी दबाव, पक्षपात या प्रभाव के सत्य को सामने लाया जाए और जनता की आवाज को पूरी मजबूती से उठाया जाए। इस गौरवपूर्ण अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, संवाददाताओं, हॉकरों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। आप सभी के विश्वास, सहयोग और स्नेह ने ही हमें निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति दी है। आइए, इस नए युग में भी हम सब मिलकर सकारात्मक पत्रकारिता, जनहित और सत्य की इस मशाल को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

''खबर वही जो सच दिखाए,
'शाबाश इंडिया' हर पल साथ निभाए।''

शुभकामनाओं सहित
राकेश जैन गोदिका: संपादक

स्वस्थ बचपन का संकल्प

विश्व मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका

भारत वर्ष 2005 से ही पार्टनरशिप फॉर मैटरनल, न्यूबॉर्न एंड चाइल्ड हेल्थ नामक अंतर्राष्ट्रीय संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। आज भारत न केवल इस संगठन में बोर्ड का उपाध्यक्ष है, बल्कि इसकी स्थायी समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाल रहा है। हर वर्ष 2000000 डॉलर की स्थायी अनुदान राशि देकर भारत ने वैश्विक समुदाय को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह सिर्फ अपने देश की सीमाओं तक सीमित न रहकर संपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था में भी एक जिम्मेदार और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही, भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि सीमित आर्थिक व ढांचागत संसाधनों के बावजूद इच्छाशक्ति के बल पर इतने बड़े पैमाने पर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं सफलतापूर्वक पहुंचाई जा सकती हैं।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल और संवेदनशील नेतृत्व में राज्य सरकार बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य स्तर को सुधारने के लिए विशेष और लक्षित अभियान चला रही है। राज्य के जिन हिस्सों में कुपोषण का प्रभाव अधिक था, वहां युद्धस्तर पर निरंतर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों को भोजन वितरण के साथ-साथ आधुनिक शैक्षणिक और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है, तथा बच्चों की नियमित स्वास्थ्य निगरानी को डिजिटल माध्यमों से बेहद मजबूत किया गया है।

जब किसी देश में नवजात शिशु सुरक्षित वातावरण में जन्म लेने लगें, माताएं प्रसव के दौरान और उसके बाद बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पाने लगें, तथा बच्चों तक समय पर अनिवार्य टीकाकरण और उचित पोषण पहुंचने लगे, तब समझना चाहिए कि विकास केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर दिखाई देने लगा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो युगांतकारी परिवर्तन आया है, उसने देश की संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का परिदृश्य ही बदल कर रख दिया है। गांवों की सुदूर आंगनबाड़ियों से लेकर शहरों के आधुनिक डिजिटल हेल्थ सिस्टम तक, आज बच्चों के बेहतर और सुरक्षित भविष्य के लिए एक अत्यंत व्यापक और सुदृढ़ ढांचा तैयार किया गया है। हाल ही में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य को लेकर भारत की अटूट प्रतिबद्धता को वैश्विक मंच पर दोहराया। उन्होंने जिस अटूट विश्वास के साथ भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां दुनिया के सामने रखीं, वह जमीनी स्तर पर हो रहे इसी बड़े बदलाव का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया था, उसे मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव समेत विभिन्न राज्यों की सरकारों ने पूरी तत्परता से धरातल पर उतारने का काम किया है। परिणामस्वरूप, आज भारत बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक पटल पर एक बेहद मजबूत और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभर रहा है।

आयुष्मान भारत ने बदली गरीब परिवारों की चिंता

केंद्र सरकार की सबसे लोक-कल्याणकारी और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं में आयुष्मान भारत योजना का नाम सबसे प्रमुखता से लिया जाता है। इस ऐतिहासिक योजना ने देश के गरीब, वंचित और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के सिर से इलाज के भारी-भरकम खर्च की चिंता को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। इसके अंतर्गत देश के लाखों बच्चों को गंभीर और असाध्य बीमारियों के मुफ्त इलाज की सर्वसुलभ सुविधा मिली है। देश भर में स्थापित किए जा रहे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अब केवल सामान्य उपचार देने के केंद्र नहीं रह गए हैं, बल्कि वे बच्चों और महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य संरक्षण का सबसे मजबूत आधार बन चुके हैं। इन केंद्रों पर नियमित टीकाकरण, गर्भावस्था के दौरान पोषण जांच, एनीमिया नियंत्रण औरत्वरित प्राथमिक उपचार जैसी आवश्यक सेवाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पोषण अभियान से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई

भारत में कुपोषण हमेशा से एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती रहा है। इस जड़ जमा चुकी समस्या को जड़ से उखाड़ने के लिए शुरू किया गया पोषण अभियान आज देश में एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, नवजात बच्चों और किशोरियों को समय पर पौष्टिक व संतुलित आहार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिलकर एक मजबूत तंत्र के रूप में कार्य कर रही हैं। सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार वितरण की पूरी व्यवस्था को पहले से कहीं अधिक पारदर्शी व सुदृढ़ बनाया गया है। पोषण पखवाड़ा और पोषण माह जैसे देशव्यापी जागरूकता कार्यक्रमों ने आम जनता की सोच को बदलने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने में बड़ी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों से पूरी तरह से कुपोषण मुक्त भारत के निर्माण का आान कर चुके हैं। भारत दुनिया के उन अग्रणी और दूरदर्शी देशों में शामिल रहा है, जिसने देश की युवा आबादी के महत्व को समझते हुए किशोर स्वास्थ्य को लेकर एक अलग और समर्पित राष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरूआत की। वर्ष 2014 में आरंभ हुए इस दूरगामी कार्यक्रम के माध्यम से स्कूलों, स्थानीय सामुदायिक केंद्रों और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए युवाओं तक जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं और परामर्श पहुंचाया गया। किशोरों में मानसिक तनाव, अवसाद, एनीमिया और गतिहीन जीवनशैली से जनित बीमारियों की चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे संवेदनशील समय में सरकार का यह बहुआयामी प्रयास देश की भावी पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, सक्षम और जागरूक बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रहा है।

-डॉ. निवेदिता शर्मा

बच्चों को सुविधाभोगी नहीं, पराक्रमी बनाने की जरूरत

मनोज कुमार अग्रवाल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश इसी व्यापक दृष्टि को सामने लाता है। उनका उद्देश्य बच्चों को कठोर बनाना नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों के प्रति सक्षम और आत्मविश्वासी बनाना है। राष्ट्र का निर्माण केवल किताबों से नहीं, बल्कि संस्कार, श्रम और मजबूत चरित्र से होता है। यदि हमें आत्मनिर्भर और सशक्त भारत बनाना है, तो बच्चों को सुविधाभोगी नहीं, बल्कि पराक्रमी बनाना होगा।

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है, लेकिन बच्चों के स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता को लेकर स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। देश के अनेक शहरों के विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभाएं तक स्थगित करनी पड़ रही हैं, क्योंकि प्रार्थना के दौरान कई बच्चे चक्कर खाकर गिर जाते हैं। यह केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली का गंभीर संकेत है। शहरी बच्चों का बड़ा वर्ग कुपोषण, फास्टफूड, पढ़ाई और कोचिंग के दबाव, मोबाइल की लत तथा खेलकूद से दूरी के कारण शारीरिक रूप से कमजोर होता जा रहा है। आज बच्चों का अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीत रहा है। आउटडोर खेलों की जगह मोबाइल और वातानुकूलित कमरों ने ले ली है। परिणामस्वरूप बच्चों की सहनशक्ति, मानसिक मजबूती और संघर्ष क्षमता लगातार घट रही है। ऐसे समय में बच्चों को श्रम, अनुशासन और प्रकृति से जोड़ने की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस हो रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल का वक्तव्य इसी दिशा में देखा जा सकता है। उनका संदेश केवल श्रमदान तक सीमित नहीं, बल्कि संघर्षशील और राष्ट्रनिष्ठ पीढ़ी तैयार करने का संकेत है। आज समाज में एक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जिसमें बच्चों को हर कठिनाई से बचाकर सुविधाभोगी बनाया जा रहा है। माता-पिता बच्चों को मामूली श्रम से भी दूर रखते हैं। यदि विद्यालय में बच्चे सफाई, पौधरोपण या श्रमदान जैसी गतिविधियों में हिस्सा लें, तो उसे कई बार गलत दृष्टि से देखा जाता है। जबकि भारतीय परंपरा में श्रम को शिक्षा और संस्कार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। गुरुकुल परंपरा में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि आत्मअनुशासन, परिश्रम और कठिन परिस्थितियों का सामना करना भी सिखाया जाता था। महर्षि धौम्य के आश्रम के आरुणि की कथा इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। गुरु के आदेश पर खेत की टूटी मेड़ को रोकने के लिए आरुणि स्वयं पानी में लेट गए और पूरी रात पानी रोकते रहे। यह केवल आज्ञापालन नहीं, बल्कि कर्तव्य और समर्पण की सर्वोच्च भावना थी। इसी प्रकार संदीपनि आश्रम में भगवान कृष्ण और सुदामा भी कठोर श्रम और अनुशासन से शिक्षा प्राप्त करते थे। भारतीय परंपरा का मूल संदेश यही है कि संघर्ष और श्रम से ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। आधुनिक शोध भी बताते हैं कि भारत में बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण, अल्पवजन और शारीरिक दुर्बलता से प्रभावित हैं। विभिन्न अध्ययनों में बच्चों में बौनापन, कमजोरी और मोटापे जैसी समस्याएं बढ़ती पाई गई हैं। इसका सीधा असर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक संतुलन पर पड़ता है। कमजोर शरीर और सुविधाभोगी मानसिकता बच्चों को छोटी-छोटी असफलताओं में भी अवसाद की ओर धकेल रही है।

पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान

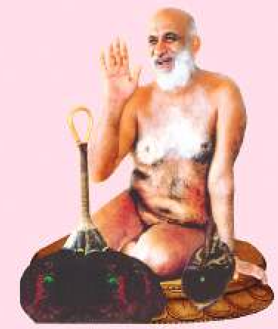

पू. मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

जैन नसियां रोड़, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) 302029

web- jaininfo.org, email- sssdigamber@gmail.com

सांगानेर की पुण्यधरा पर महाकवि संत शिरोमणि परमपूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से एवं उनके सुयोग्य शिष्य ज्ञान रथ के सारथी, सिद्धवाक्, शान्तिधारा-अतिशय-निदर्शक, तीर्थ चक्रवर्ती, आध्यात्मिक सन्त, परम पूज्य निर्यापक श्रमण, मुनिपुंगव श्री १०८ सुधासागरजी महाराज की मंगल प्रेरणा से १ सितम्बर, १९९६ को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर का बीजारोपण किया गया।

संस्थान अंतर्गत सञ्चालित महाकवि आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय में जैन दर्शन, संस्कृत, अंग्रेजी, प्राकृत, कम्प्यूटर एप्लीकेशन आदि विषयों के साथ कनिष्ठ उपाध्याय (११वीं) से आचार्य (एम. ए.) पर्यन्त अध्ययन उपरान्त सरकारी सेवा हेतु पूरे भारत में मान्य विश्वविद्यालय की उपाधि प्रदान की जाती है। यहाँ से गहन प्रशिक्षण प्राप्त विद्वान् केन्द्र/राज्य सरकार व समाज के अनेक क्षेत्रों में सेवारत हैं, इस कारण इस कारण संस्थान ने अल्प समय में ही राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना लिया है। वर्तमान में महाविद्यालय में 200 छात्र अध्ययनरत हैं।

महाकवि आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय एवं छात्रावास

सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय

परम पूज्य निर्यापक-श्रमण, मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की असीम अनुकम्पा एवं आशीर्वाद तथा प्रेरणा से 1 जुलाई 2018 को सन्तश्री सुधासागर बालिका छात्रावास एवं महाविद्यालय का शुभारम्भ किया गया, जिसका मूल उद्देश्य भटकती हुई युवा पीढ़ी को संरक्षित एवं संवर्धित करके आगमानुकूल चर्या का पालन करते हुए भारतीय संस्कृति के लिये समर्पित बालिकाओं को विदुषी के रूप में तैयार करना है। संस्थान छात्रों की ही तरह यहाँ भी बालिकाओं को भोजन, आवास एवं शिक्षण की सभी सुविधायें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रवेश चयन शिविर के माध्यम से चयन कर उन्हें कनिष्ठ उपाध्याय (11वीं), वरिष्ठ उपाध्याय (12वीं), शास्त्री (B.A.), एवं आचार्य (M.A.) तक अध्ययन उपरान्त सरकारी सेवा हेतु पूरे भारत में मान्य विश्वविद्यालय की उपाधि प्रदान की जाती है। साथ ही संगीत, पाक कला, मेंहन्दी, सिलाई, ज्योतिष-वास्तु, ध्यान-योग आदि के प्रशिक्षण के माध्यम से अन्य गतिविधियों में भी प्रवीण किया जाता है। वर्तमान में आवासीय कन्या महाविद्यालय में 160 बालिकायें अध्ययनरत हैं।

आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय एवं छात्रावास तथा सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में एक छात्र / छात्रा पर आने वाला वार्षिक एवं पंचवर्षीय व्यय निम्न प्रकार है।

	वार्षिक	पंचवर्षीय
दूध एवं नाश्ता	11,000	51,000
भोजन	71,000	3,51,000
शिक्षण	31,000	1,51,000

विद्वान / विदुषी निर्माण पुण्यार्जक - 5,00,000/-
एक छात्र या एक छात्रा पर आने वाले वार्षिक व्यय की राशि एक मुश्त - 1,00,000/-
एक दिन में एक समय का सभी छात्रों / छात्राओं का भोजन व्यय 11000/- मात्र

Account Name

Shri Digamber Jain Shraman Sanskriti Sansthan

महाकवि आचार्य ज्ञानसागर महाविद्यालय एवं छात्रावास हेतु बैंक खाता विवरण		सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय हेतु बैंक खाता विवरण	
Bank Name :	ICICI BANK	Bank Name :	KOTAK MAHINDRA BANK
Branch :	SANGANER, JAIPUR	Branch :	(BARHMOHANPURA) MUHANA ROAD, JAIPUR
IFSC Code :	ICIC0006780	IFSC Code :	KKBK0003543
A/c No.:	678005600306	A/c No.:	3511968418

संस्थान में विधि-विधान, मुहूर्त, चक्रवर्ती विवाह आदि कार्यों हेतु निःशुल्क विद्वान् उपलब्ध हैं
संपर्क सूत्र- 85050 01725, 95095 54224 (विधानाचार्य)

अधिष्ठाता	निदेशक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष
डॉ. जयकुमार जैन मुजफ्फर नगर	डॉ. शीतल चन्द जैन जयपुर	श्री एस. के जैन (रिटा. IPS) जयपुर	श्री प्रमोद पहाड़िया जयपुर

मंत्री	अधिष्ठात्री	निदेशिका	प्राचार्य
श्री सुरेश कासलीवाल 9829236370	श्रीमती शीला डोड्या 93141 73436	डॉ. वंदना जैन 93514 25177	प्रा. अरुण कुमार जैन 97853 99868

पार्किन्सन रोग: कारण, लक्षण और होम्योपैथिक सहायक उपचार

डा.एम.एल जैन ''मणि''
अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ, दुर्गापुरा, जयपुर राजस्थान।

पार्किन्सन रोग एक धीरे-धीरे बढ़ने वाला तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) का रोग है। इसमें मस्तिष्क के उस भाग की कोशिकाएँ प्रभावित हो जाती हैं जो शरीर की गति को नियंत्रित करती हैं। इन कोशिकाओं से ''डोपामिन'' नामक रसायन बनता है। जब डोपामिन कम बनने लगता है तब शरीर की गतिविधियों में कंपन, जकड़न और संतुलन की समस्या आने लगती है। आजकल इस रोग के बहुत रोगी आ रहे हैं, जिनका होम्योपैथिक इलाज चल रहा है। होम्योपैथी में इसकी काफी अच्छी चिकित्सा है। यह रोग अधिकतर वृद्धावस्था में दिखाई देता है, लेकिन कुछ लोगों में कम उम्र में भी हो सकता है। यह रोग पूरी तरह संक्रामक नहीं होता और धीरे-धीरे बढ़ता है। उचित चिकित्सा, व्यायाम, संतुलित भोजन और मानसिक सहयोग से रोगी सामान्य जीवन काफी वर्षों तक जी सकता है। उसकी क्रियायें अवश्य धीरे हो जाती हैं।

पार्किन्सन रोग के मुख्य कारण

पार्किन्सन का एक निश्चित कारण हमेशा ज्ञात नहीं होता, लेकिन कुछ प्रमुख कारण माने जाते हैं, वे इस प्रकार हैं:

उम्र बढ़ना: 60 वर्ष के बाद इसकी जोखिम अधिक हो जाती है।

वंशानुगत कारण: परिवार में इस रोग का इतिहास हो सकता है।

मस्तिष्क की कोशिकाओं का क्षय: किसी भी कारण से कोशिकाओं का नष्ट होना।

विषैले रसायनों का प्रभाव: हानिकारक केमिकल्स के संपर्क में आना।

सिर की चोट: सिर में कभी किसी भी प्रकार की चोट लगी हो।

मानसिक तनाव: असंतुलित जीवनशैली और लगातार तनाव में रहने वाले व्यक्तियों को यह बीमारी जल्दी प्रभावित करती है।

पार्किन्सन के प्रमुख लक्षण

हाथ-पैरों में कंपन होना (ट्रेमर्स): रोगी के हाथ, पैर या उंगलियां कांपने लगती हैं, विशेषकर आराम की अवस्था में।

शरीर में जकड़न बढ़ना (रिगिडिटी): मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं, जिससे चलना-फिरना कठिन लगता है। गिरने का भय रहता है और किसी सहारे की आवश्यकता पड़ती है।

गति का धीमा होना: रोगी धीरे-धीरे चलने लगता है तथा दैनिक कार्यों में अधिक समय लगता है, जिससे कई काम अधूरे रह जाते हैं।

संतुलन बिगड़ना: चलते समय शरीर का संतुलन बिगड़ना या गिरने का डर रहना, जिसके कारण हर वक्त सहारे की जरूरत होती है।

लिखावट बदलना: लिखावट बहुत छोटी और अस्पष्ट हो जाती है, जिसे दूसरा व्यक्ति ठीक से पढ़ नहीं पाता।

चेहरे के भाव कम होना: चेहरा भावहीन दिखाई देने लगता है और चेहरे की स्वाभाविक खुशियां कम हो जाती हैं।

आवाज धीमी होना: बहुत धीरे-धीरे बात करना या बोलते समय आवाज का कांपना।

मानसिक लक्षण: अवसाद (डिप्रेसिव मूड), चिंता, भूलने की आदत और नींद की समस्या होना।

आधुनिक चिकित्सा में उपचार

आधुनिक चिकित्सा में ऐसी दवाएँ दी जाती हैं जो डोपामिन की कमी को संतुलित करती हैं। कुछ रोगियों में फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और विशेष व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। गंभीर स्थिति होने पर सर्जरी भी की जा सकती है। होम्योपैथी रोगी के सम्पूर्ण लक्षणों, मानसिक स्थिति और शारीरिक प्रकृति को देखकर दवा का चुनाव करती है। यह उपचार सहायक रूप में उपयोग किया जाता है। किसी योग्य एवं पंजीकृत होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह से ही दवा देनी चाहिए।

रोग की पहचान

चिकित्सक रोगी के लक्षणों और शारीरिक परीक्षण के आधार पर इस रोग की पहचान करते हैं। कई बार एमआरआई या अन्य विशेष टेस्टों का सहारा दूसरी बीमारियों की संभावना को खारिज करने के लिए लिया जाता है।

प्रमुख होम्योपैथिक दवाइयां

एगेरिकस मस्कैरियस: हाथों में अत्यधिक कंपन, चलते समय असंतुलन, मांसपेशियों में फड़कन और वृद्ध रोगियों के लिए विशेष उपयोगी।

जैलसीमियम: कमजोरी, घबराहट के साथ हाथ कांपना और मानसिक तनाव के बाद लक्षण बढ़ने पर दी जाती है।

कॉस्टिकम: मांसपेशियों की कमजोरी, शरीर में जकड़न, बोलने में कठिनाई या लकवा जैसा अनुभव होने पर।

जिंकम मेटैलिकम: पैरों में बेचैनी, लगातार हलचल करने की इच्छा और तंत्रिका की कमजोरी के कारण हाथ-पांव हिलाने की आदत होना।

मर्क्यूरियस सॉल्युबिलिस: हाथों का कंपन, अधिक पीला पसीना आना, अत्यधिक कमजोरी, थकान और गले में दर्द।

हायोसायमस नाइजर: शरीर की अनियंत्रित हरकतें, मानसिक उत्तेजना और कंपन के साथ बेचैनी होना।

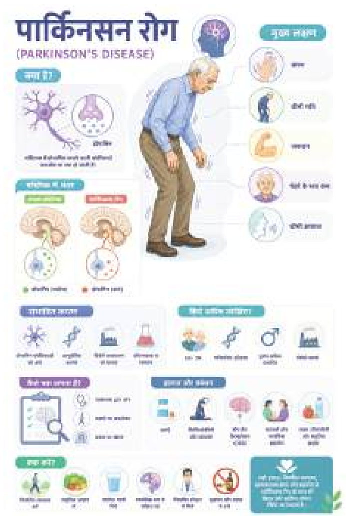

नक्स वोमिका: चिड़चिड़ापन, तनावपूर्ण जीवनशैली, शरीर में जकड़न, कंपकंपी और खानपान की गड़बड़ी या बुरी आदतें होना।

प्लम्बम मेटैलिकम: मांसपेशियों में सिकुड़न, कमजोरी, कंपन, चलने में कठिनाई और पाचन में गड़बड़ी होना।

होम्योपैथिक उपचार लेते समय सावधानियां: बिना योग्य होम्योपैथिक डॉक्टर की सलाह के कोई दवा न लें। आधुनिक चिकित्सा (एलोपैथी) की दवाएँ अचानक बंद न करें, उन्हें डॉक्टर की सलाह से धीरे-धीरे कम करें। डॉक्टर से नियमित फॉलो-अप कराते रहें। रोगी की मानसिक स्थिति और उसकी आदतों पर विशेष ध्यान दें।

पार्किन्सन रोग में लाभकारी व्यायाम

योग एवं हल्का व्यायाम: प्राणायाम (विशेषकर अनुलोम-विलोम), हल्की स्ट्रेचिंग और नियमित टहलना।

फिजियोथेरेपी: यह शरीर की जकड़न को कम करने और संतुलन सुधारने में काफी लाभ पहुँचाती है।

भोजन एवं जीवनशैली

हरी सब्जियाँ और ताजे फल अधिक मात्रा में लें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ। नियमित और पूरी नींद लें, सोने के समय पर विशेष ध्यान दें। तनाव कम रखें और दिमाग पर फालतू का बोझ न रखें। शराब और धूम्रपान जैसी आदतों से पूरी तरह बचें।

रोगी की देखभाल

पार्किन्सन रोगी को परिवार के सहयोग और धैर्य की बहुत आवश्यकता होती है। रोगी को कभी भी अकेला महसूस न होने दें। नियमित बातचीत, हल्की गतिविधियाँ और घर का सकारात्मक वातावरण उसके लिए बहुत लाभकारी होता है, उसे हमेशा तसल्ली दें। पार्किन्सन रोग एक दीर्घकालिक तंत्रिका रोग है, लेकिन सही उपचार, व्यायाम, संतुलित भोजन और मानसिक सहयोग से रोगी का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।

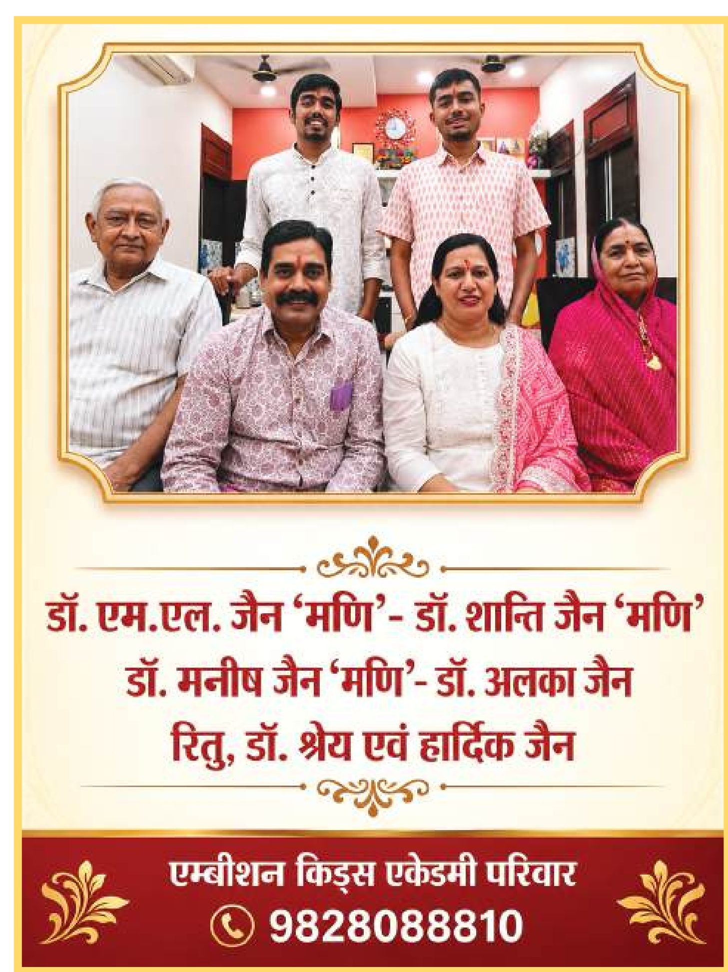

लायंस क्लब अजमेर आस्था की प्रेरणा से दो जोड़ी नेत्रदान

अजमेर.शाबाश इंडिया

लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट की प्रेरणा से दो परिवारों द्वारा नेत्रदान कर मानवता की मिसाल पेश की गई। इस अनुकरणीय कार्य से चार जरूरतमंद व्यक्तियों को नई रोशनी मिल सकेगी। वरुण सागर रोड निवासी सज्जनराज मेहता, सुपुत्र स्वर्गीय टीकमचंद मेहता के मरणोपरांत परिजनों की सहमति से नेत्रदान कराया गया। वहीं रामनगर, अजमेर निवासी श्रीमती चंद्रकांता बोहरा, धर्मपत्नी स्वर्गीय धर्मीचंद बोहरा के असामयिक निधन के पश्चात परिवारजनों पदमचंद रांका एवं अशोक चौधरी की सहमति से भी नेत्रदान सम्पन्न कराया गया। आई बैंक सोसायटी के भरतकुमार शर्मा के नेतृत्व में दोनों जोड़ी कॉर्निया सुरक्षित रूप से आई बैंक में जमा कराए गए, जिससे चार नेत्रहीन व्यक्तियों को दृष्टि मिल सकेगी। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने दोनों परिवारों के इस प्रेरणादायी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मानव समाज ऐसे दानदाताओं का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने समाज के लोगों से आगे बढ़कर नेत्रदान के प्रति जागरूक होने एवं दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान किया। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 में क्लब द्वारा आई बैंक सोसायटी के माध्यम से अब तक छह जोड़ी कॉर्निया दान कराए जा चुके हैं।

> इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने दोनों परिवारों के इस प्रेरणादायी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मानव समाज ऐसे दानदाताओं का सदैव ऋणी रहेगा।

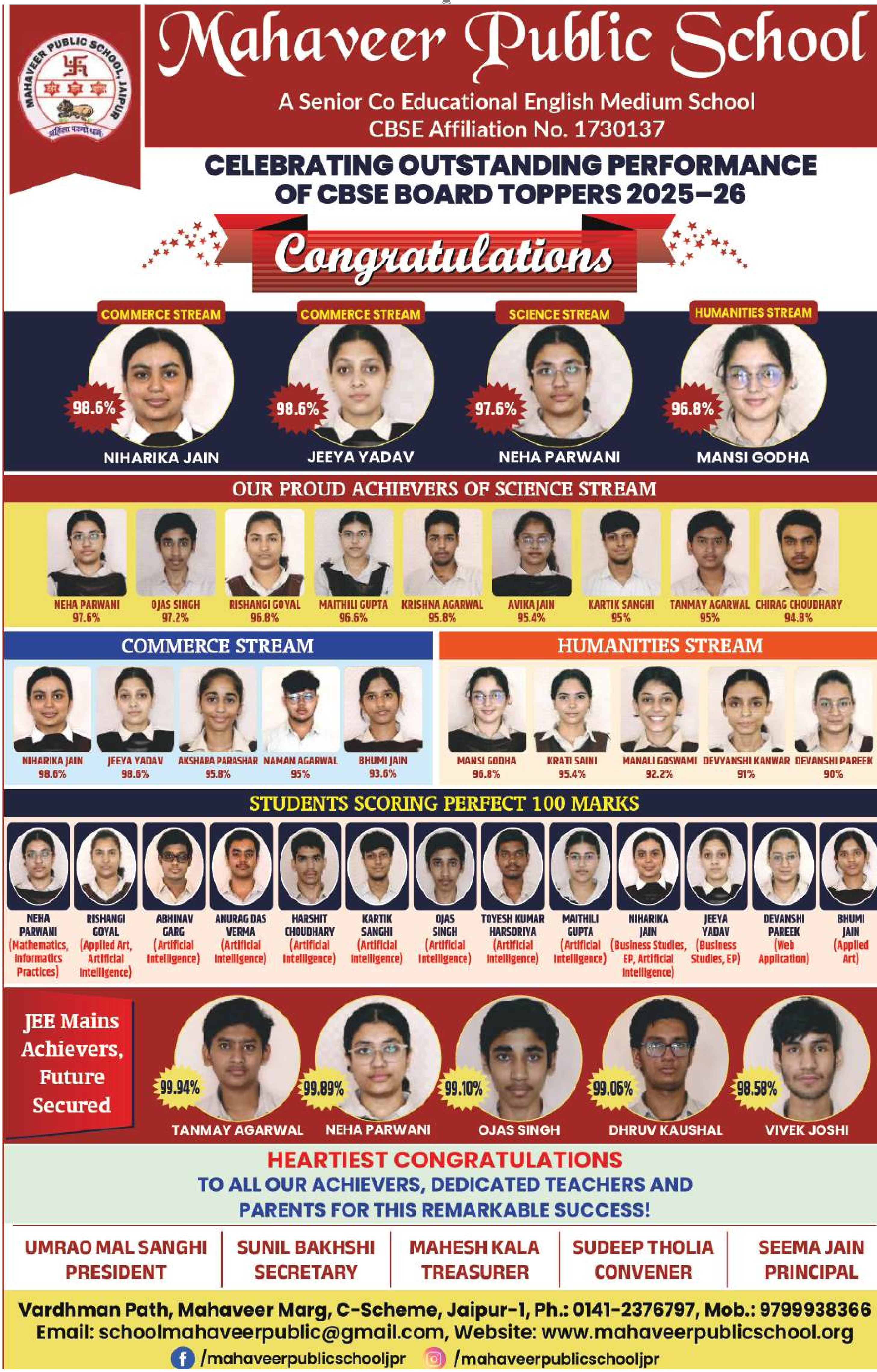

औनिक जैन ने फहराया भीलवाड़ा का परचम

राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया

जिटो नॉर्थ दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित ''आगाज 4.0'' राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में भीलवाड़ा के मास्टर औनिक जैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता कई चरणों में आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत देश के 15 शहरों में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रतियोगिता में लगभग 3000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मास्टर

औनिक जैन ने ऑडिशन राउंड से लेकर फाइनल राउंड तक अपनी मधुर एवं प्रभावशाली गायिकी से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में देश के प्रसिद्ध पार्श्व गायक पद्मश्री कुमार शानू, साधना सरगम, तुलसी कुमार एवं संजय विद्यार्थी निर्णायक मंडल में शामिल रहे। मास्टर औनिक पिछले कई वर्षों से शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वे वर्तमान में ब्रिट्टी स्कूल, भीलवाड़ा की कक्षा 7वीं के छात्र हैं। इसके साथ ही वे टी-सीरीज अकादमी, नोएडा में भी संगीत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। औनिक इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

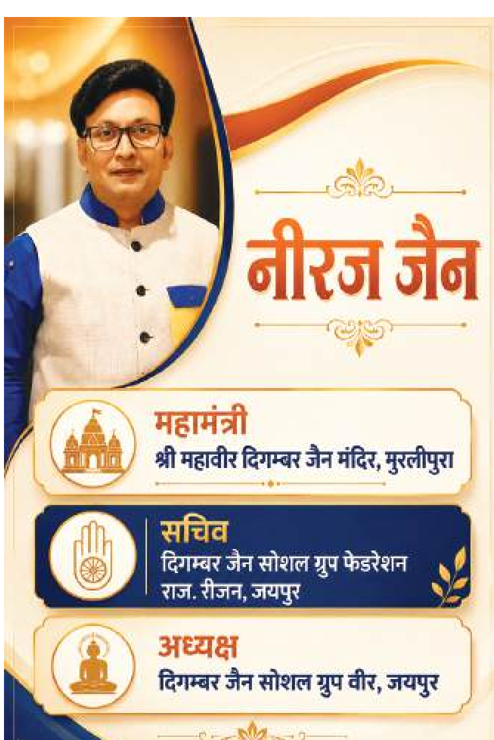

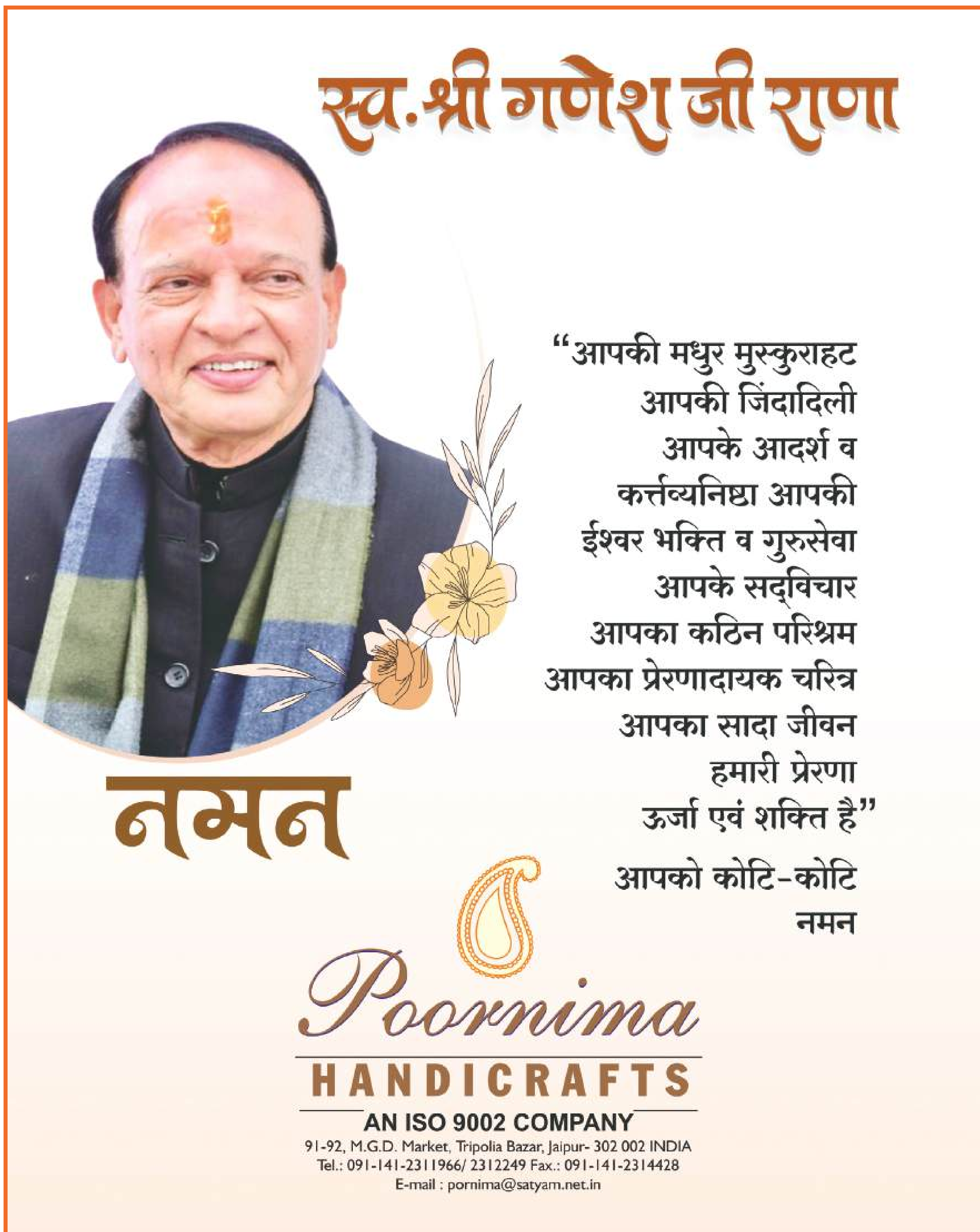

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

विद्यार्थियों को स्कूल कमेटी के सम्माननीय सदस्यों—सचिव सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, विद्यालय संयोजक सुदीप ठोलिया तथा प्रबंधन समिति सदस्य मनीष बैद एवं विनोद जैन कोठावाड़ा द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

जयपुर.शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु गरिमामय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले, 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले तथा विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं उनके गौरवान्वित अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों को स्कूल कमेटी के सम्माननीय सदस्यों—सचिव सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, विद्यालय संयोजक सुदीप ठोलिया तथा प्रबंधन समिति सदस्य मनीष बैद एवं विनोद जैन कोठावाड़ा द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल सीमा जैन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। सचिव सुनील बख्शी ने अभिभावकों के निरंतर सहयोग तथा विद्यालय पर विश्वास बनाए रखने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान श्री महावीर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. आशीष गुप्ता ने कॉलेज में संचालित साइंस, आर्ट्स एवं कॉमर्स विषयों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन मिठाई वितरण, गर्व एवं प्रसन्नता के भावों के साथ हुआ।

35 म्यूजिशियन और 7 सिंगर्स ने बिखेरा संगीत का जादू, आशा भोंसले-धर्मेंद्र को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

बिरला ऑडिटोरियम में सजी सुरों की महफिल, कल्याणजी-आनंदजी के गीतों ने बांधा समां

"क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी आनंदजी" में गूंजे सदाबहार नगमे, दर्शक देर रात तक झूमते रहे

जयपुर.शाबाश इंडिया

बिरला ऑडिटोरियम में गोल्डन ऐरा म्यूजिकल सोसायटी द्वारा रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन एवं इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, जिला जयपुर के सहयोग से "क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी आनंदजी–ए म्यूजिकल ट्रिब्यूट टू आशा भोंसले एवं धर्मेंद्र" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 35 म्यूजिशियन एवं 7 सिंगर्स ने शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 6 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के को-चेयरमैन सीए संजय पाबूवाल ने बताया कि संगीत निर्देशक संजय मराठे के निर्देशन में मुंबई से आए 35 म्यूजिशियन ने अपने संगीत से उपस्थित लोगों को सुखद अनुभूति कराई। कार्यक्रम की शुरूआत प्राजक्ता द्वारा प्रस्तुत "समा है ये प्यार का", "किसके इंतजार का" गीत से हुई। इसके बाद "हम थे जिनके सहारे", "दीवानों से ये मत पूछो", "छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिए", "आजा तुझको पुकारे मेरे गीत रे", "वादा कर ले साजना" और "चंदन सा बदन" जैसे सदाबहार गीतों को श्रोताओं ने खूब सराहा। सिंगर आलोक कटघरे ने "खइके पान बनारस वाला" एवं "तिरछी टोपी वाले" गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की जमकर तालियां बटोरीं। अन्य कलाकारों में बेला सालुंखे, सर्वेश मिश्रा, शैलजा सुब्रमण्यम, विश्वनाथ माटुंगा एवं गोविंद मिश्रा प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन आरजे गौरव एवं प्रीति सक्सेना ने किया। कॉन्सेप्ट डिजाइनर अनुराग मोहन दीक्षित ने बताया कि इस अवसर पर कलानेरी आर्ट गैलरी द्वारा आशा भोंसले, धर्मेंद्र तथा कल्याणजी-आनंदजी के पोर्ट्रेट्स एवं चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही 1920 से 1950 के दशक के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की विशेष प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। अंत में चीफ कोऑर्डिनेटर नरेंद्र मित्तल ने अतिथियों, प्रायोजकों, कलाकारों, सहयोगी संस्थाओं, कॉर्डिनेटर्स एवं बिरला ऑडिटोरियम प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

सखी गुलाबी नगरी ने स्थापना दिवस पर दिव्यांगजनों को भेंट की व्हीलचेयर

सेवा और सद्भावना की मिसाल बनी ''सखी गुलाबी नगरी'', हर माह व्हीलचेयर देने का संकल्प

जयपुर.शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी संस्था ने अपने पांचवें स्थापना दिवस पर सेवा और सद्भावना की अनूठी मिसाल पेश करते हुए दिव्यांगजनों की सहायता के लिए तीन व्हीलचेयर दान कीं। संस्था की इस सराहनीय पहल का प्रायोजन मुरादाबाद के अंकित जैन एवं प्रियंका जैन द्वारा किया गया। जयपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था की संस्थापक अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि सेवा कार्यों के पीछे छिपा पुण्य जीवनभर साथ रहता है। समाज के वंचित एवं दिव्यांग भाई-बहनों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है। जब हम किसी के जीवन को सुगम बनाने में छोटा सा योगदान देते हैं, तो वह समाज के लिए प्रेरणा बनता है। उन्होंने इस नेक कार्य के लिए अंकित जैन एवं प्रियंका जैन का विशेष आभार व्यक्त किया। सारिका जैन ने संस्था के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी सेवा योजनाओं की घोषणा करते हुए बताया कि अब ''सखी गुलाबी नगरी'' हर महीने जरूरतमंद दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराएगी। इस निरंतर सेवा अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक दिव्यांग भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था की सह सचिव रितु जैन, कोषाध्यक्ष सरोज जैन, कार्यकारिणी सदस्य अंकिता जैन एवं एकता जैन सहित सखी सदस्य वीरबाला जैन, पूजा जैन और रिंकू जैन उपस्थित रहीं। संस्था की सचिव ममता सेठी ने बताया कि इन व्हीलचेयरों के माध्यम से दिव्यांगजन अपनी दैनिक गतिविधियां अधिक सुगमता से पूरी कर सकेंगे और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य समाज में यह संदेश देना है कि सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों का संबल बनना चाहिए। कार्यक्रम ने एक बार फिर यह साबित किया कि सेवा भाव और मानवता के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की ''पति पत्नी और वो 2'' मूवी नाइट बनी यादगार शाम

हंसी, मनोरंजन और अपनत्व से सजी कपल मूवी नाइट में झूमे सदस्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित ''पति पत्नी और वो 2'' कपल मूवी नाइट भव्य, शानदार एवं यादगार पारिवारिक मनोरंजन संध्या के रूप में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह आयोजन केवल फिल्म प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रेम, हंसी, अपनत्व और साथ बिताए खूबसूरत पलों का अविस्मरणीय उत्सव बन गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण उत्साह, उमंग और मनोरंजन से भरपूर रहा। फिल्म के हास्य दृश्य, रोचक परिस्थितियां और मजेदार संवादों ने पूरे हॉल को लगातार हंसी और तालियों से गूंजायमान बनाए रखा। दर्शकों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रियाओं ने आयोजन को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने पॉपकॉर्न, कोल्ड ड्रिंक और शानदार मूवी अनुभव के साथ संध्या का भरपूर आनंद लिया। परिवारों एवं दंपतियों ने इसे अपने जीवन के सुकूनभरे और यादगार पलों में शामिल बताया। इस मूवी नाइट ने रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, मित्रता, सौहार्द एवं पारिवारिक जुड़ाव को और अधिक मजबूत किया। पूरा माहौल सकारात्मक ऊर्जा, मुस्कान और अपनत्व से सराबोर नजर आया। उपस्थित सभी सदस्यों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सुपरहिट, शानदार एवं यादगार शाम बताया, जो लंबे समय तक सभी की स्मृतियों में जीवंत रहेगी। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने कहा कि कार्यक्रम पूर्णतः सफल रहा और सभी सदस्यों के उत्साह एवं सहभागिता ने इसे और अधिक विशेष बना दिया। उन्होंने आयोजन टीम एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

संस्कार शिविरों का भव्य शुभारंभ, पचरंगे जैन ध्वज व जिनशासन एकता ध्वज के साथ निकली शोभायात्राएं

श्रीजी को श्रीफल अर्पित कर सफेद टोपी और केसरिया दुपट्टे में बच्चों ने की संस्कार शिविर में सहभागिता

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति भारत के तत्वावधान में 17 से 28 मई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविरों का शनिवार को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुभारंभ हुआ। विभिन्न क्षेत्रों में पचरंगे जैन ध्वज एवं जिनशासन एकता ध्वज लहराते हुए बैंड-बाजों और शोभायात्राओं के साथ शिविरों का आगाज किया गया। पार्श्वनाथ कॉलोनी में बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई तथा शिविर का उद्घाटन व्रती श्राविका शिरोमणि सुशीला अशोक पाटनी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अधिष्ठात्री शीला ड्योडा, आँचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल सहित स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनकपुरी में मूलनायक नेमिनाथ भगवान को श्रीफल अर्पित कर केसरिया ध्वज के साथ पथ संचालन किया गया। समारोह स्थल पर

संयोजकों ने तिलक लगाकर सभी शिविरार्थियों का स्वागत किया। जनकपुरी में प्रभावना के पुण्यार्जक चेतन रेखा जैन द्वारा जैन औषधालय के आंवला कैंडी एवं शरबत की बोतलें सभी शिविरार्थियों को वितरित की गईं। सभी स्थानों पर प्रभावना में अभक्ष्य पदार्थों का उपयोग नहीं किया गया। प्रचार-प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला ने बताया कि शांतिनगर सांगानेर में ध्वजारोहण, राधाविहार में श्रीफल अर्पण, सेक्टर-3 मालवीय नगर में अध्यक्ष सी.एल. जैन, नया बाजार चोमू में राजेंद्र बडजात्या, मीरा मार्ग में सुशील पहाड़िया एवं शीतल जैन शास्त्री, बगरूवाला मंदिर में नंदकिशोर एवं प्रमोद पहाड़िया तथा शक्तिनगर में अध्यक्षा विमला जैन के नेतृत्व में समारोह आयोजित किए गए। पद्मावती कॉलोनी में स्वागत गीत एवं भक्तिमय मंगलाचरण के साथ भव्य कार्यक्रम का संचालन बच्चों द्वारा किया गया तथा अतिथियों का स्वागत किया गया। वहीं वरुण पथ, खंडाका जैन मंदिर में जीवदया एवं परिण्डे लगाकर, कल्याण नगर, महल योजना जगतपुरा, शांतिनाथ मंदिर धाबास, सेक्टर-7 मालवीय नगर तथा महावीर मंदिर

सांगानेर सहित विभिन्न स्थानों पर भी समारोह आयोजित हुए। निदेशिका डॉ. वंदना जैन ने बताया कि दुर्गापुरा में आर्यिका अर्हम श्री माताजी के पावन सानिध्य में तथा वैशाली नगर में बच्चों ने नारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक

प्रवेश किया। पूजा आदि कार्यक्रम शिविर प्रभारी विनीता जैन की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। सभी स्थानों पर एक समान प्रार्थना एवं मंगलाचरण के साथ कक्षाओं का शुभारंभ तथा जिनवाणी स्तुति के साथ समापन किया गया।

छोटी-छोटी राइम्स के माध्यम से बच्चे सीख रहे धार्मिक संस्कार

मंदिरों में आयोजित हुए आध्यात्मिक भजनों के कार्यक्रम

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति भारत के तत्वावधान में 17 से 28 मई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविरों में शुक्रवार को नियमित कक्षाओं के साथ विभिन्न मंदिरों में आध्यात्मिक भजन प्रस्तुतियों के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी मंदिरों में ''अरिहंत गाऊँ, सिद्धों को ध्याऊँ'' तथा ''चारों मंगल उत्तम हैं, इनकी शरण में आ जाएँ'' जैसे मधुर भजनों की स्वर लहरियां गूंजती रहीं। प्रचार-प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला ने बताया कि मीरा मार्ग स्थित शिविर में संस्थान के मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल, बालिका छात्रावास की निदेशिका डॉ. वंदना जैन तथा आँचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यहां बच्चे केसरिया ध्वज के साथ पहुंचे तथा पांव धोकर शिविर कक्षाओं में प्रवेश करते दिखाई दिए। डॉ. वंदना जैन ने बच्चों से संस्कारों से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे और उनकी जानकारी से प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं सुरेश कासलीवाल ने संस्थान के द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम में मंदिर पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अधिष्ठात्री शीला जैन ड्योडा ने बताया कि शिविरों को लेकर बच्चों की अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हो रही हैं। छोटे बच्चों को राइम्स के माध्यम से जीवदया, दर्शन और अभिषेक जैसे धार्मिक संस्कार सिखाए जा रहे हैं।

''चींटी हो या नन्हा पक्षी, सबकी रक्षा करनी अच्छी, जीव दया जो अपनाए, सच्चा जैन वह कहलाए''

तथा

''अम्मा-अम्मा मुझे कलश दिला दो, अभिषेक करने जाऊँगा''

जैसी राइम्स के माध्यम से बच्चे सरलता से संस्कारों को समझ रहे हैं।

जयपुर शिविर प्रभारी विनीता जैन ने बताया कि प्रथम बार आयोजित हो रहे राधा विहार मंदिर एवं तारों की कूट मंदिर के शिविरों में छहढाला के माध्यम से चारों गतियों के दुखों को समझाया गया। प्रताप नगर सेक्टर-5 में शिविरों को केवल पूजा-पाठ का नहीं, बल्कि संस्कार एवं नैतिक शिक्षा का केंद्र बताया गया। चित्रकूट कॉलोनी में भगवान पार्श्वनाथ के उपसर्गों की जानकारी दी गई, विवेक विहार में इष्टोपदेश ग्रंथ तथा दुर्गापुरा में तत्वार्थ सूत्र का अध्ययन कराया गया। इसके अतिरिक्त अरिहंत विहार, धाबास, नया बाजार चोमू, जनकपुरी सहित विभिन्न मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का स्नेह मिलन सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए ऑल स्टार क्लब, जयपुर में रंगारंग पूल पार्टी एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य समन्वयक अनिल-ज्योति चौधरी के निर्देशन में समन्वयक प्रदीप-प्राची बाकलीवाल, चेतन-अनामिका पापड़ीवाल, शैलेश-रूपा पाटनी तथा संयोजक मुकेश-प्रीति रारा के सहयोग से सम्पन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्रीमती प्राची बाकलीवाल द्वारा रोचक हाउजी गेम का आयोजन किया गया, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में संयोजकों द्वारा विभिन्न मनोरंजक गेम्स भी आयोजित किए गए। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इंडोर खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप रॉयल एवं जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के आतिथ्य में दो दिवसीय इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट-2026 का आयोजन 16 मई से 17 मई 2026 तक सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल, जयपुर में किया गया। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक प्रदीप सुराणा एवं मोहित सचेती ने बताया कि प्रतियोगिता में बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, स्क्वैश एवं कैरम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में सर्वाधिक 283 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो नॉर्दर्न रीजन के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन पूर्णतः तकनीकी आधार पर किया गया। रजिस्ट्रेशन से लेकर परिणाम घोषित करने तक डिजिटलाइजेशन का उपयोग करते हुए प्रतियोगिता को पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया गया। नॉर्दर्न रीजन ने इस सफल आयोजन के लिए आतिथ्य ग्रुप जैन सोशल ग्रुप रॉयल के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र मेडतवाल, अध्यक्ष प्रवीण गोलेछा, सचिव विशाल सेठ एवं टीम रॉयल तथा जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के संस्थापक अध्यक्ष मोहित सचेती, अध्यक्ष मनीष गोधा, सचिव राहुल रांका एवं टीम स्पार्कल का आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति ने मुख्य सूत्रधार प्रदीप सुराणा, मोहित सचेती, चंद्रप्रकाश जैन ''चंदू भैया'' तथा संयोजक अक्षित शाह, संदीप गोलेछा, अनुराग चौरड़िया, पवन बोथरा एवं पवन कुमार सेठी के विशेष योगदान की सराहना की, जिन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रतियोगिता को सफल बनाया। साथ ही सुबोध स्कूल शिक्षा समिति के पदाधिकारियों, विशेष रूप से संजीव कोठारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने आयोजन हेतु स्थल उपलब्ध करवाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी विशेष सहयोग रहा। नॉर्दर्न रीजन की इंडोर गेम्स एक्टिविटी कमेटी के एडवाइजर राजेंद्र डाबरिया, रीजन कोऑर्डिनेटर अजय जैन एवं मनीष सोनी, कन्वीनर सीए प्रदीप जैन, संजीव कोठारी, शालिनी जैन, राजेश काला तथा कोऑर्डिनेटर अक्षय जैन मोदी एवं राजीव पालावत ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं नॉर्दर्न रीजन के संस्थापक इंजीनियर राकेश जैन, उपाध्यक्ष एवं इंटरनेशनल डायरेक्टर महेंद्र गिरधरवाल, इंटरनेशनल डायरेक्टर संजय जैन, राजेंद्र डाबरिया, अजय जैन, अभय कोटेचा, चेयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, वाइस चेयरमैन डॉ. राजीव जैन, सचिव रविंद्र बिलाला, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, पीआरओ ग्रीटिंग वीरेंद्र गदिया, जॉन कोऑर्डिनेटर नीलेश जैन 'लिटिल', सुरेंद्र पाटनी, राजीव संघी तथा संगिनी जॉन कोऑर्डिनेटर आशा खरेड सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। नॉर्दर्न रीजन ने आयोजन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया।

बाल कल्पना के रंगों को मिला सराहना का मंच, एहिक की रेखाचित्र प्रदर्शनी सम्पन्न

उदयपुर.शाबाश इंडिया

शहर के युवा बाल कलाकार एहिक शर्मा की तीन दिवसीय रेखाचित्र प्रदर्शनी का समापन कला और सृजनशीलता से ओतप्रोत वातावरण में सम्पन्न हुआ। टखमण संस्था कला दीर्घा में आयोजित इस प्रदर्शनी के समापन अवसर पर रोकवुड विद्यालय, उदयपुर के निर्देशक डॉ. दीपक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एहिक द्वारा बनाए गए एक विशेष चित्र का अनावरण कर प्रदर्शनी का औपचारिक समापन किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या अंजला शर्मा एवं वरिष्ठ मूर्तिकार सी.पी. चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित एहिक के रैपिड स्केचेज का अवलोकन करते हुए बाल कलाकार की कल्पनाशीलता, सूक्ष्म अवलोकन क्षमता एवं मौलिक अभिव्यक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में लगभग सौ रेखाचित्रों का संग्रह तैयार करना न केवल अद्भुत प्रतिभा का परिचायक है, बल्कि यह विद्यालय एवं उदयपुर शहर के लिए भी गौरव का विषय है। समापन अवसर पर अतिथियों ने टखमण संस्था परिसर में संचालित विभिन्न कला कार्यशालाओं एवं सृजनात्मक गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संस्था द्वारा कला के विभिन्न माध्यमों में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की प्रशंसा की।इस अवसर पर वरिष्ठ चित्रकार ललित शर्मा, रघुनाथ शर्मा, संदीप पालीवाल, चंद्रशेखर भारती, स्नेहलता, शर्मिष्ठा चावत, यामिनी शर्मा, जीतेंद्र माली, लक्षित शर्मा, कीर्तिका शर्मा, कैनी सेन तथा बाल कलाकार कबीर और निवान शर्मा सहित अनेक कला प्रेमी उपस्थित रहे।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर में मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह आयोजित

बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स हुए सम्मानित

जयपुर.शाबाश इंडिया। सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विद्यार्थियों की मेहनत, दृढ़ संकल्प एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक प्रेरणादायक पहल के साथ हुई, जिसमें बोर्ड परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों ने जूनियर कक्षाओं में जाकर अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने सफलता के सूत्र, परीक्षा

प्रबंधन एवं अध्ययन संबंधी महत्वपूर्ण टिप्स देकर जूनियर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

चन्द्रप्रभु महिला मण्डल झोटवाड़ा का स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन महिला मण्डल, झोटवाड़ा के तत्वावधान में स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मण्डल अध्यक्ष पूनम चांदवाड ने बताया कि समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमला देवी जैन, राजुल जैन एवं दीप्ति बोहरा उपस्थित रहीं। समारोह में महिला मण्डल की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द, संगठन एवं धार्मिक एकता को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला सदस्याओं द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही धार्मिक प्रश्नमंच, हाउजी एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने भजनों पर नृत्य प्रस्तुत कर जैन सिद्धांतों का संदेश दिया। मीनाक्षी जैन, राजुल जैन, वंदना जैन एवं जूली जैन ने मनोरंजक प्रतियोगिताओं का संचालन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुनि 108 प्रणुत सागर महाराज के आशीर्वाद से प्याऊ सेवा का शुभारंभ

भिंड सोनल जैन की रिपोर्ट

भिंड.शाबाश इंडिया। मुनि 108 प्रणुत सागर महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से उनके परम भक्त मोनू जैन द्वारा टीम रोटी बैंक के सहयोग से साधु-संतों एवं राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। सेवा कार्य की शुरूआत सभी को ठंडा एवं स्वादिष्ट ''मिल्क रोज'' वितरित कर की गई। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ उठाया तथा आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पुण्य अवसर पर महावीर प्रसाद, मैना देवी, विनय जैन, लक्ष्मी जैन, अवधेश जैन, पूजा जैन, संजय जैन, सुषमा जैन, मोनू जैन, स्वाति जैन, विपिन जैन, इति जैन, इरिया, आस्था, जितेंद्र जैन, छोटे जैन, बबलू सिंधी, दीपक चावला, आशीष शर्मा, हिमांशु शर्मा, ज्योति शर्मा, राशु जादौन, सोनल जैन, शामली जैन, चंचल बुधौलिया, अखिलेश बुधौलिया, रोमा शर्मा, पूजा शर्मा एवं अशोक अग्रवाल सहित टीम रोटी बैंक और मानवता परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे तथा सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ''मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है'' का संदेश देते हुए समाजसेवा के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी

''जियो और जीने दो''

श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन पर विराजमान 1400 किलो ब्रॉन्ज धातु से निर्मित, 3.5 फीट ऊँची भगवान महावीर स्वामी की यह भव्य एवं मनोहारी प्रतिमा अहिंसा, सत्य और करुणा का दिव्य संदेश प्रदान करती है। 22.5 फीट ऊँची आकर्षक छतरी के नीचे 9 फीट ऊँचे कमलासन पर ध्यानमग्न विराजित भगवान महावीर का संदेश है कि हर जीव में आत्मा है और प्रत्येक प्राणी को जीने का अधिकार है। क्रोध को क्षमा से, अहंकार को विनम्रता से तथा द्वेष को प्रेम से जीतना ही सच्चा धर्म है। यह दिव्य प्रतिमा यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को कुछ पल रुककर आत्मचिंतन, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करने के लिए प्रेरित करती है। आइए, दो पल दर्शन करें और भगवान महावीर के इस पावन संदेश को अपने जीवन में अपनाएं। **अहिंसा परमो धर्मः**

स्थापना दिवस विशेषांक पर समर्पित भावांजलि

"शाबाश इंडिया"

स्याही जब सच की ज्योति बन
हर अंधियारा हरती है,
तब ''शाबाश इंडिया'' की लेखनी
जनमन में आशा भरती है।

यह केवल एक अखबार नहीं,
विश्वासों का अभिनंदन है,
भारत की जागृत चेतना का
जीवंत और पावन स्पंदन है।

तेरह वर्षों की तपस्या ने
जिसको गौरवशाली बनाया है,
अब चौदहवें वर्ष की दहलीज पर
इसने नव इतिहास रचाया है।

हर पन्ने में जनभावों की
मधुर गूंज सुनाई देती है,
हर खबर में सच्चाई की
निर्मल धारा बहती है।

कहीं किसान की व्यथा लिखी,
कहीं युवा के सपनों की बात,
कहीं संस्कृति का गौरव गाया,
कहीं राष्ट्रप्रेम की सौगात।

यह जनमन का सच्चा दर्पण,
यह भारत की आवाज बना,
अन्यायों के घने तमस में
सूरज सा उजियारा बना।

हर विश्लेषण में गहराई हो,
हर शब्द में ईमान रहे,
पत्रकारिता के पावन पथ पर
सदा सत्य का सम्मान रहे।

रंगीन पृष्ठों की आभा में
जनविश्वास महकता है,
हर अंक अपने पाठक के
हृदय में दीपक बन जलता है।

स्थापना दिवस का यह पर्व
नई चेतना का संदेश बने,
''शाबाश इंडिया'' का हर अक्षर
भारत की गौरवगाथा बने।

विज्ञापनदाता हों या पाठक,
सबको यहाँ सम्मान मिले,
हर घर तक सच्चाई पहुँचे,
हर मन को नई उड़ान मिले।

ईश्वर से बस यही प्रार्थना—
यश का आकाश विशाल रहे,
''शाबाश इंडिया'' की कीर्ति का
सूरज सदियों तक लाल रहे।

जनसेवा की इस गंगा में
विश्वासों के दीप जलें,
भारत माँ की उन्नति खातिर
इसके स्वर्णिम स्वप्न फलें।

सत्य भूषण शर्मा
प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक, कवि एवं यूट्यूबर उदयपुर, राजस्थान

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज की अगवानी में उमड़ा भक्तों का सैलाब

अशोकनगर.शाबाश इंडिया। पांच माह पूर्व नगर में भव्य चातुर्मास सम्पन्न कराने के बाद राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ 18 पिच्छिकाओं के साथ पुनः नगर में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर भक्तों की अपार श्रद्धा और भक्ति देखने को मिली। नगर के बाहर पूर्व मंत्री राव ब्रजेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र एवं विजय धुर्रा सहित अनेक प्रमुखजनों ने श्रीफल भेंट कर भव्य अगवानी की।

vardhman PRINTERS
Jain Nitesh
93142-63204
All kind of Printing & Advertisement work
51/341, Sector-5, Pratap Nagar Behind Power House, Sanganer
vardhmanstationers1@gmail.com

B.L. Property
B.L. Jain
93146-82514
Housing Board, J.D.A. Approved, 90-B Plot, Shop, Land Sale & Purchase etc.
51/341, Sector-5, Behind Power House Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur (Raj.)

सुनील बख्शी
पुत्र स्व. श्री बख्शी भागचन्द जी
अध्यक्ष : दिगम्बर जैन मंदिर श्री आदिनाथ स्वामी बख्शी जी, जयपुर
उपाध्यक्ष : श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षिणी महासभा) राजस्थान, जयपुर
उपाध्यक्ष : श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासंघ, जयपुर
उपाध्यक्ष : भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल
मानद मंत्री : श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद, जयपुर
मानद मंत्री : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी, जयपुर
सचिव : जीतो जयपुर चैप्टर
ट्रस्टी : श्री विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया, मध्य प्रदेश
ट्रस्टी : धर्मशाला बख्शी जी, जयपुर
ट्रस्टी : दीवान उदय लाल ट्रस्ट जयपुर
175, विराग बख्शी चैम्बर, बख्शी जी का चौक, रामगंज बाजार, जयपुर
मो. 9929090242

शाबाश इंडिया
को वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं
एवं बधाई
::शुभेच्छु::
गोधा पब्लिसिटी
दीपक गोधा 9828270282, 8955954045
Office: 3, Neelanchl Complex, Sec- 16 Pratap Nagar, Sanganer,
E-Mail- Deepakgodha1@gmail.com

धार्मिक शिक्षण शिविर में बच्चों और बड़ों का उत्साह देखते ही बना

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा आयोजित एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल तथा संयुक्त महिला संभाग के सहयोग से संचालित धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट में उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। शिविर में बच्चे एवं बड़े सभी अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पार्श्वनाथ महिला संभाग अध्यक्षा नीता जैन ने बताया कि शिविर का निरीक्षण करने श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से राष्ट्रीय अध्यक्षा आदरणीया शीला डोडिया, शालिनी बाकलीवाल, विद्युत लुहाड़िया, अंजना जैन सहित अन्य अतिथि उपस्थित हुए। शिविर में बच्चों का उत्साह एवं धर्म के प्रति उनकी रुचि देखकर सभी अतिथि अत्यंत प्रसन्न हुए। मंत्री भंवरी देवी जैन ने बताया कि आदरणीया शीला डोडिया ने नवयुवक मण्डल के सदस्यों से धार्मिक शिक्षण शिविर में सहभागिता करने का आह्वान किया। इस पर नवयुवक मण्डल के मंत्री मनीष जैन ने आश्वासन दिया कि सभी सदस्य शिविर में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति अध्यक्ष सुमत प्रकाश जैन, अनिल बाकलीवाल, महीप जैन एवं पंकज लुहाड़िया ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

शाबाश इंडिया

समाचार पत्र के 14वें स्थापना दिवस पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री महावीराय नमः

नवकार चिकित्सा केन्द्र

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर द्वारा संचालित

(सहयोगी संस्था – भगवान महावीर जन सेवा ट्रस्ट, जयपुर)

निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा

50/111, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर

मोहन लाल गंगवाल	सुरेश जैन बांदीकुई	विजय पाण्ड्या	अजीत कुमार जैन
अध्यक्ष	मुख्य प्रभारी	सचिव	कोषाध्यक्ष
9887282909	9414456885	9314434540	9829294054

प्रभारी – राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल : 9214543707

बच्चों में ब्रेन ट्यूमर से जुड़े मिथक और सच्चाई जानना है बेहद जरूरी

श्रीगंगानगर.शाबाश इंडिया

बच्चों में ब्रेन ट्यूमर का निदान किसी भी परिवार के लिए भावनात्मक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति हो सकती है। इस बीमारी को लेकर समाज में कई तरह की भ्रांतियां और मिथक प्रचलित हैं, जो माता-पिता की चिंता और भय को और बढ़ा देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी, जागरूकता और समय पर पहचान ही बेहतर उपचार एवं सकारात्मक परिणाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में ब्रेन ट्यूमर को लेकर जागरूकता बढ़ाना, शुरूआती लक्षणों को पहचानना तथा मिथकों के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों पर भरोसा करना बेहद आवश्यक है। इससे समय पर उपचार संभव हो पाता है और बच्चों के बेहतर भविष्य की संभावना बढ़ जाती है। एक आम धारणा यह है कि ब्रेन ट्यूमर बच्चों में नहीं होता, जबकि वास्तविकता यह है कि बच्चों में ब्रेन ट्यूमर सबसे सामान्य सॉलिड ट्यूमर में शामिल हैं। कई क्षेत्रों में यह बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी बन चुका है। इसके शुरूआती लक्षण अक्सर हल्के या अस्पष्ट होते हैं, जिसके कारण बीमारी का पता लगाने में देरी हो सकती है और उपचार प्रभावित हो सकता है। इसी प्रकार मोबाइल फोन या वाई-फाई के उपयोग को भी कई लोग ब्रेन ट्यूमर का कारण मानते हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं अन्य प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों के शोध में ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि मोबाइल डिवाइस से निकलने वाला रेडिएशन बच्चों में ब्रेन ट्यूमर का कारण बनता है। मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत के पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक हीमेटोलॉजी एवं पीडियाट्रिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग की कंसल्टेंट डॉ. स्वाति भयाना ने बताया कि कई लोग यह मानते हैं कि सिर पर चोट लगने या गिरने से ब्रेन ट्यूमर हो सकता है, जबकि वास्तव में ऐसी चोटें ट्यूमर का कारण नहीं बनतीं। कई बार चोट के बाद कराए गए स्कैन में पहले से मौजूद ट्यूमर का पता चल जाता है। उन्होंने बताया कि हर बच्चे में ब्रेन ट्यूमर होने पर दौरे पड़ना जरूरी नहीं होता। इसके लक्षण ट्यूमर के आकार और स्थान पर निर्भर करते हैं। कई बच्चों में लगातार उल्टी होना, आंखों में भेंगापन आना, आंख का झुक जाना, व्यवहार में बदलाव, बार-बार लड़खड़ाना या पढ़ाई में अचानक गिरावट जैसे संकेत दिखाई दे सकते हैं। डॉ. भयाना ने कहा कि तेज सिरदर्द को भी अक्सर ब्रेन ट्यूमर से जोड़ दिया जाता है, जबकि हर सिरदर्द इसका संकेत नहीं होता। माइग्रेन, आंखों की समस्या या अत्यधिक स्क्रीन टाइम जैसी स्थितियां भी सिरदर्द का कारण बन सकती हैं। हालांकि यदि सिरदर्द लगातार बना रहे, धुंधला दिखाई दे या अन्य असामान्य लक्षण हों, तो विशेषज्ञ चिकित्सक से तुरंत जांच करानी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों में होने वाले ब्रेन ट्यूमर वयस्कों के ब्रेन ट्यूमर का छोटा रूप नहीं होते। बच्चों के ट्यूमर जैविक रूप से अलग होते हैं तथा उनके प्रकार और उपचार की आवश्यकताएं भी भिन्न होती हैं।

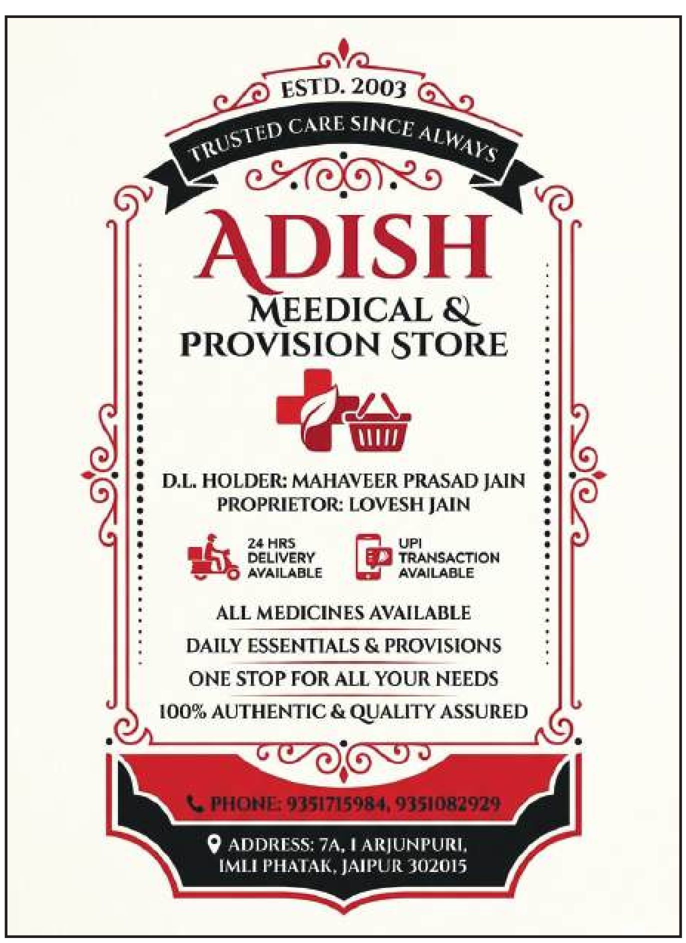

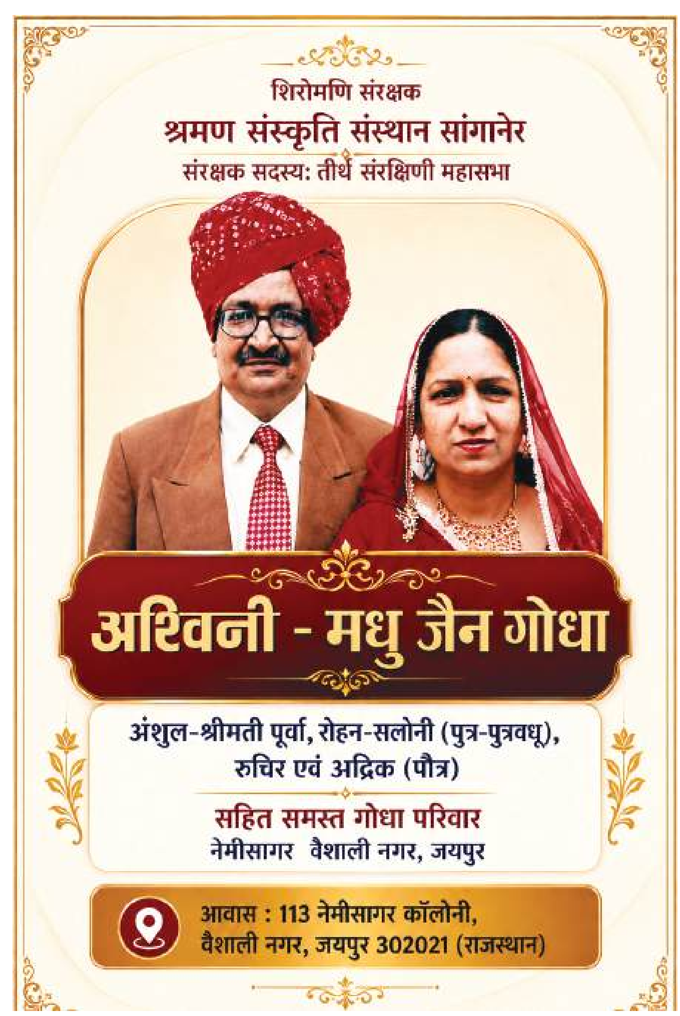

एब्डोमिनल कैंसर डे : विशेषज्ञों ने भारतीय जरूरतों के अनुरूप स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल की आवश्यकता बताई

भारत में लगभग 70 प्रतिशत जीआई कैंसर के मामले एडवांस स्टेज में सामने आ रहे हैं

बढ़ते कैंसर मामलों में शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के दुष्प्रभाव स्पष्ट

जयपुर.शाबाश इंडिया। एब्डोमिनल कैंसर डे के अवसर पर विशेषज्ञों ने भारतीय आबादी की जरूरतों के अनुरूप कैंसर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जयपुर में आयोजित प्रिवेंटिव जीआई ऑन्कोलॉजी के वैज्ञानिक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में लगभग 70 प्रतिशत एब्डोमिनल कैंसर के मामले एडवांस स्टेज में सामने आते हैं, जबकि समय पर स्क्रीनिंग के माध्यम से इनकी शुरूआती पहचान कर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि शहरीकरण, बदलती जीवनशैली, खानपान की आदतों और शराब के बढ़ते सेवन के कारण गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल (जीआई) कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि भारत में इन मामलों की व्यापकता अधिक है तथा यहां की चुनौतियां भी अन्य देशों से अलग हैं। एब्डोमिनल कैंसर के प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए डॉ. संदीप जैन ने कहा, ''गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल कैंसर के मामलों में 'पेशेंट इंटरवल' काफी अधिक होता है, यानी मरीज द्वारा लक्षण महसूस करने और डॉक्टर से परामर्श लेने के बीच लंबा अंतराल रहता है। यह देरी मरीज के लिए जोखिम बढ़ा देती है, इसलिए जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है।'' फोर्टिस हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं हेड, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी डॉ. एस.एस. शर्मा ने कहा, ''यदि कैंसर की शुरूआती अवस्था में पहचान हो जाए तो मरीजों की सर्वाइवल रेट 85 से 90 प्रतिशत तक रहती है, जबकि देर से पहचान होने पर यह घटकर 10 से 15 प्रतिशत रह जाती है। स्क्रीनिंग और गुणवत्ता जांच शुरूआती पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।'' फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉ. मनीष अग्रवाल ने कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ाकर एब्डोमिनल कैंसर की शुरूआती अवस्था में पहचान सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस श्रेणी में इसोफेगस, लिवर, पैंक्रियाज, गॉलब्लैडर, गैस्ट्रिक कैंसर, अपेंडिक्स, कोलन और रेक्टम सहित सात प्रकार के कैंसर शामिल हैं। इनमें से अधिकांश कैंसर लंबे समय तक बिना लक्षण के रहते हैं, जिससे बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

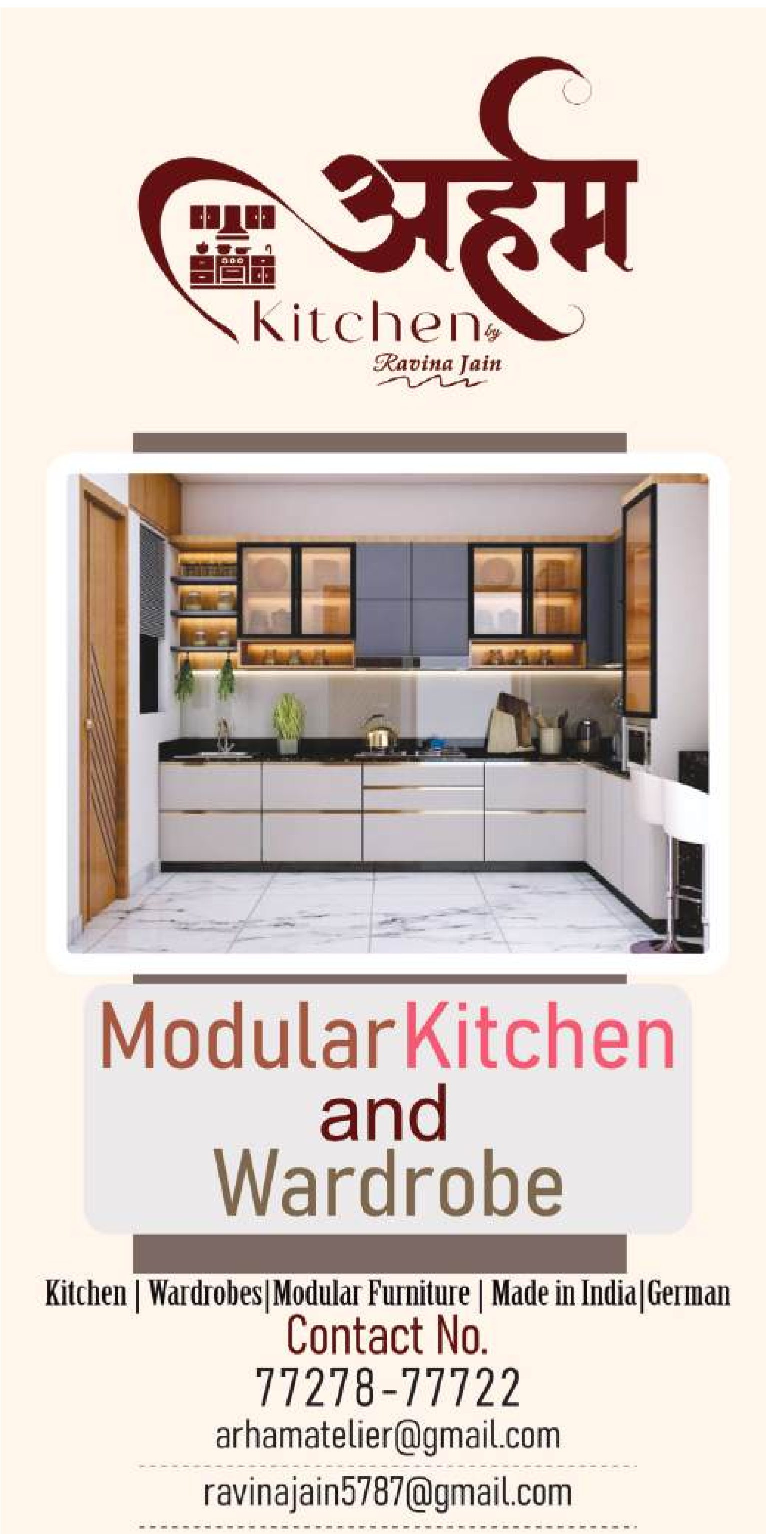

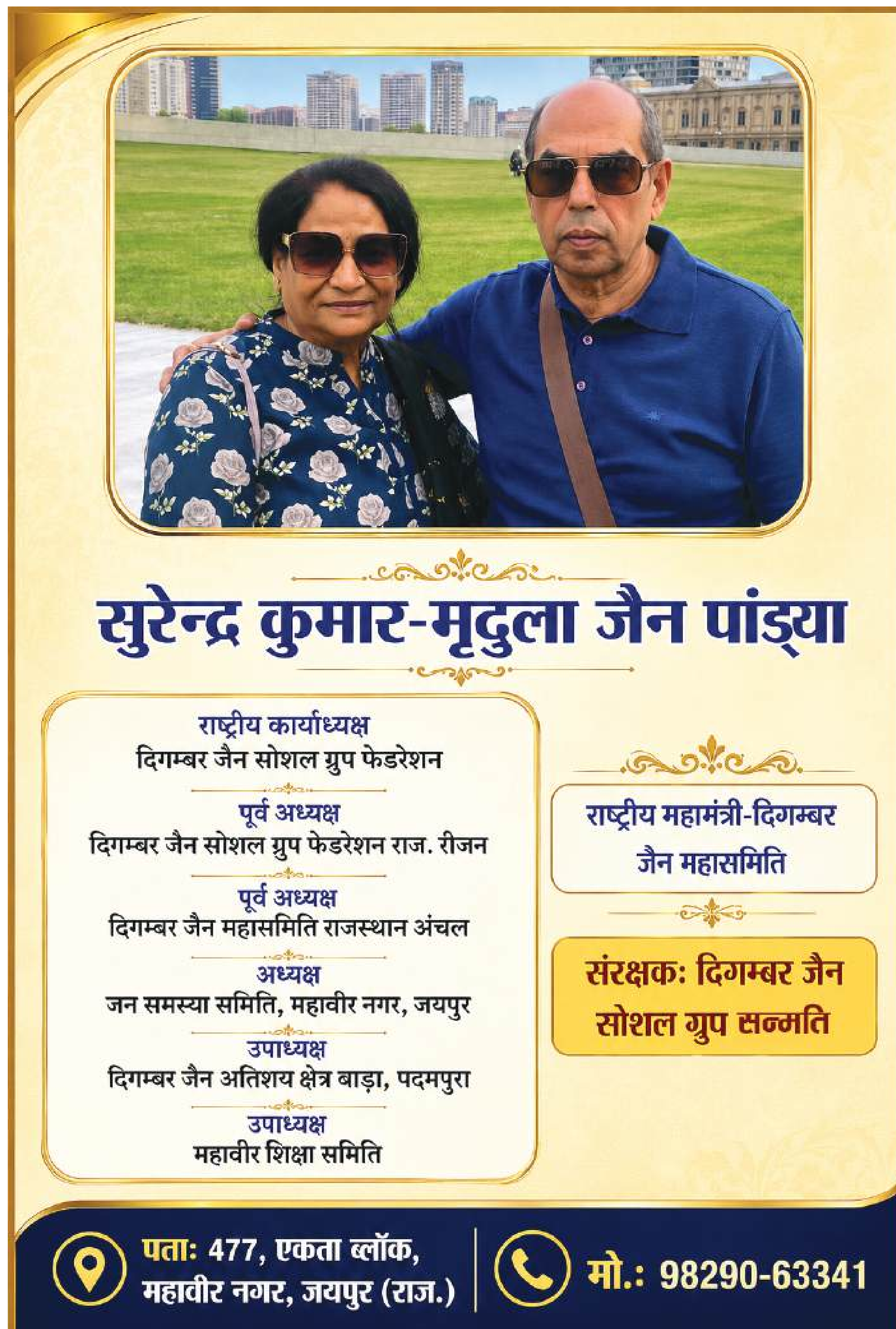

SHRI MAHAVEER DIGAMBER JAIN SENIOR SECONDARY SCHOOL

Run By Shri Mahaveer Digamber Jain Shiksha Parishad
(English Medium School affiliated to R.B.S.E.)

Stepping into CAMBRIDGE BOARD

ADMISSION OPEN
Session 2026-27
Classes 1 to IX & XI

Streams offered
Science | Commerce | Arts
English Medium

DAY BOARDING FACILITY ALSO AVAILABLE
(CLASSES NURSERY - PREP)

SPECIAL FEATURES
- 50% Concession for Armed Forces Personnel's Children
- Free Education for Wards of Martyrs
- 25% Concession for Jain Boys (New Admission)
- 25% Concession for Girl Students

SALIENT FEATURES
Global Recognition
Academic & Learning Excellence
Creative & Innovative Learning
Skill-Based Learning
Play-way Methodology
Language Proficiency

CO-CURRICULAR & OVERALL DEVELOPMENT
Smart Academic & Skill Development
Skill Based Learning
Qualified, Trained & Experienced Faculty
Student Assessment

INFRASTRUCTURE FACILITIES (for Cambridge Board Classes)
AC Classrooms with Smart Interactive Panel/Boards
Outdoor & Indoor Playzone Area
CCTV Security

FACILITIES THAT EMPOWER LEARNING
State-of-the-Art Infrastructure | Digital Smart Classrooms (Class I-X) | Excellence in Academics & Sports
Robotics & Modern Computer Labs | Fully Equipped Science Labs | Huge Playground & Bimal Cricket Academy

PRESIDENT	SECRETARY	TREASURER	PRINCIPAL
Umrao Mal Sanghi	Sunil Bakhshi	Mahesh Kala	Sandeep Shandilya

Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur | Call Us: +91 99285 7200,
e-mail: smdj_school@yahoo.co.in, website: www.mahaveerschooljaipur.com

Mahaveer Public School

A Senior Secondary Co-Educational English Medium School
CBSE Affiliation No. 1730137

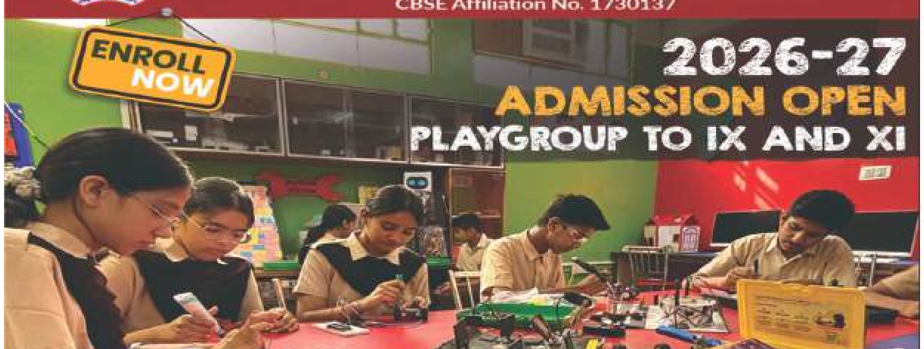

2026-27
ADMISSION OPEN
PLAYGROUP TO IX AND XI

LAUNCHING DAY BOARDING FOR NURSERY TO CLASS V

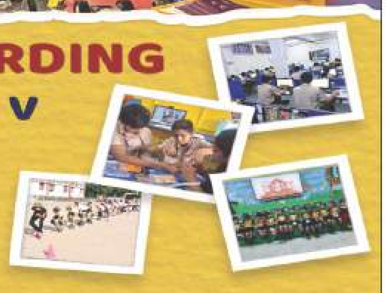

- EMPOWERING MINDS WITH SKILL SUBJECTS LIKE FINANCIAL MARKET MANAGEMENT & DATA SCIENCE.
- KAUSHAL BODH — TRANSFORMING KNOWLEDGE INTO REAL-WORLD SKILLS (FROM CLASS VI ONWARDS).
- SAFE AND NURTURING ENVIRONMENT
- EXCLUSIVE CO-SCHOLASTIC PROGRAM
- INTEGRATED & EXPERIENTIAL LEARNING
- SKILLED COACHES FOR SKATING, GYMNASTICS, JUDO, BASKET BALL, VOLLEY BALL & CRICKET ACADEMY
- FULLY AIR-CONDITIONED CLASS ROOMS
- EMPOWERING GIRLS WITH SELF-DEFENCE SKILLS
- STIMULATING PHYSICS, BIOLOGY, CHEMISTRY & COMPUTER LABS
- MULTIFARIOUS INDOOR AND OUTDOOR ZERO PERIOD ACTIVITIES
- FUTURISTIC AND ENGAGING AI, MATHEMATICS & GEOGRAPHY LABS

SCAN FOR ONLINE REGISTRATION.
FORMS AVAILABLE AT THE SCHOOL OFFICE BETWEEN 9 AM TO 1 PM

0141-2376797 , 9799938366 schoolmahaveerpublic@gmail.com
mahaveerpublicschooljpr mahaveerpublicschooljpr mahaveerpublicschool.org

UMRAO MAL SANGHI	SUNIL BAKHSHI	MAHESH KALA	SEEMA JAIN
PRESIDENT	SECRETARY	TREASURER	PRINCIPAL

Vardhman Path, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur

Padmawati Public School

PLAY GROUP TO CLASS VIII
(Under the Aegis of Shri Mahaveer Digambar Jain Shiksha Parishad)
WITH 100 YEARS OF EXCELLENCE
(शिक्षा और संस्कार का अनूठा संगम)

ADMISSIONS OPEN

(SESSION 2026-27)
PLAY GROUP TO CLASS VI

VISIT ONCE, DECIDE FOREVER

Academic Excellence
Curriculum aligned with NEP to foster deep understanding of concepts

Education Holistic
development of body, mind, intellect emotions and spirit

Co-curricular Excellence
Rooted in Indian tradition, with a special emphasis on cultural, visual and performing arts of India, Offering Skates, Badmintion, Dance, Music and Art & craft and other Guided programs

Safe Campus
Child safety ensured through comprehensive safety measures, including CCTV surveillance and secure transport services

Additional Features
Creative Corners & Activity Spaces
Positive and Playful Surroundings
Moral Education Camp and Sessions

Highly Qualified Mentors
Experienced, caring, and dynamic educators dedicated to student success.

Umrao Mal Sanghi	Sunil Bakhshi	Mahesh Kala	Hemlata Jain
PRESIDENT	HONY. SECRETARY	TREASURER	PRINCIPAL

Thadi Market, Indra Path, Near RHB Community Center, Madhyam Marg, Sector 12, Mansarovar, Jaipur
+91-9001771884 PADMAWATISCHOOL WWW.PADMAWATIPUBLICSCHOOL.COM

देश के दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्रों में अग्रणी
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (जिला करौली) राज.
महत्वपूर्ण आवासीय इकाईयाँ एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाएँ

- **ए.सी. धर्मशाला** – सम्पूर्ण वातानुकूलित कमरे
- **वर्द्धमान धर्मशाला** – वातानुकूलित कमरे तथा डीलक्स कमरे
- **सन्मति धर्मशाला** – 48 कमरे वातानुकूलित, अन्य सभी कमरे डेजर्ट कूलर्स एवं गीजर्स से सुसज्जित
- **कुन्दकुन्द निलय** – डीलक्स कमरे
- **यात्री निवास** – 1000 यात्रियों के लिए ठहरने की आधुनिकतम सुविधा, समूह में यात्रा करने वालों के लिए अत्यन्त उपयोगी
- **भोजनशाला** – 400 व्यक्तियों को एक साथ बैठकर भोजन उपलब्ध करवाने वाली अन्नपूर्णा भोजनशाला
- **केफेटेरिया** – नाश्ते के लिए सुरुचि केफेटेरिया
- **उपभोक्ता भंडार** – यात्रियों को उचित मूल्य पर सामग्री व चोले का सामान
- **बस सेवा** – रेलवे स्टेशन से मन्दिरजी के लिए प्रत्येक ट्रेन पर आने जाने की निःशुल्क बस सुविधा
- **श्री महावीर दिगम्बर जैन आयुर्वेदिक औषधालय**
- **श्री महावीर योग प्राकृतिक चिकित्सालय एवं शोध संस्थान**
- **श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह**
- **जैनविद्या संस्थान** – जैन आगम साहित्य पर शोध और जैन साहित्य का प्रकाशन वाचनालय एवं पुस्तकालय सुविधा
- **अपभ्रंश साहित्य अकादमी** – अपभ्रंश भाषा के अध्ययन अध्यापन की भारत की एकमात्र अकादमी सर्टिफिकेट व डिप्लोमा परीक्षा का पाठ्यक्रम राजस्थान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त मालवीय नगर, जयपुर में नवीन भवन का निर्माण
- **ध्यान केन्द्र** – शान्त एवं स्वाध्याय हेतु ध्यान केन्द्र-रत्न प्रतिमाओं के दर्शन

म्यूजियम ऑफ जैन आर्ट एण्ड कल्चर –

- पैरों की विकलांगता के लिए सवाईमाधोपुर व करौली जिले के निवासियों के लिए विशेष व्यवस्था।
- असमर्थ महिलाओं को सिलाई मशीनें तथा विकलांगों को ट्राई साईकिल्स का वितरण।
- असमर्थ छात्रों को छात्रवृत्ति तथा योग्य एवं जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण/सहायता
- असमर्थ महिलाओं/पुरुषों को मासिक सहायता

-वेबसाइट-

क्षेत्र की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.shrimahaveerji.org.को देखें –

apabhramsasahitya : apa.jainapa.com, jvs.jainapa.com pra.jainapa.com

Online Room Booking : www.mahaveerji.org

E-mail : mahaveerjitrust@gmail.com

आगन्तुक यात्रियों के स्वागतार्थ सदैव तत्पर 375 कर्मचारियों सहित

प्रबन्धकारिणी कमेटी

उमराव मल संघी
मंत्री

सुधांशु कासलीवाल
अध्यक्ष

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लॉट नंबर 322, रोड नंबर 4, शान्ति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादकः राकेश जैन, मोबाइलः 9414078380, Email: shabaasindia@gmail.com, Web: www.shabaasindia.com, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा।